'SUNKUL- मार्ग दर्शन'

नि:शुल्क टेस्ट सीरीज

हिन्दी साहित्य का इतिहास-

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

पृष्ठ 1 से 20

(TEST-01)

आदिकाल (वीरगाथा काल)

(चार प्रकरण)

प्रकरण:- 01 सामान्य परिचय
प्रकरण:- 02 अपभ्रंश काव्य
प्रकरण:- 03 वीरगाथा काल-देशभाषा काव्य
प्रकरण:- 04 फुटकल रचनाएँ

भक्ति काल (पूर्वमध्यकाल)

छह प्रकरण

प्रकरण:- 01 सामान्य परिचय
प्रकरण:- 02 निर्गुण धारा- ज्ञानाश्रयी शाखा
प्रकरण:- 03 निर्गुण धारा- प्रेमाश्रयी (सूफी) शाखा
प्रकरण:- 04 सगुण धारा- रामभक्ति शाखा
प्रकरण:- 05 सगुण धारा- कृष्ण भक्ति शाखा
प्रकरण:- 06 भक्तिकाल की फुटकल रचनाएँ

उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल)

(तीन प्रकरण)

प्रकरण:- 01 रीतिकाल: सामान्य परिचय
प्रकरण:- 02 रीतिकाल: रीतिग्रन्थकार कवि
प्रकरण:- 03 रीतिकाल: रीतिकाल के अन्य कवि

आधुनिक काल (गद्य खण्ड)

प्रकरण:- 01 गद्य का विकास
- आधुनिक काल के पूर्व गद्य की अवस्था
1. ब्रजभाषा गद्य
2. खड़ी बोली गद्य

प्रकरण:- 02 गद्य साहित्य का आविर्भाव
- आधुनिक गद्य साहित्य परम्परा का प्रवर्त्तन

प्रकरण:- 03 प्रथम उत्थान
गद्य साहित्य का प्रसार
प्रकरण:- 04 द्वितीय उत्थान
प्रकरण:- 05 तृतीय उत्थान

आधुनिक काल

(काव्य खण्ड)

प्रकरण:- 01 काव्य खण्ड : पुरानी धारा
प्रकरण:- 02 काव्य खण्ड : नई धारा : प्रथम उत्थान
प्रकरण:- 03 काव्य खण्ड : नई धारा : द्वितीय उत्थान
प्रकरण:- 04 काव्य खण्ड : नई धारा : तृतीय उत्थान

(वर्तमान काव्य धाराएँ)

- जबकि प्रत्येक देश का साहित्य वहाँ की जनता की चितवृत्ति का संचित प्रतिबिम्ब होता है तब यह निश्चित है कि जनता की चितवृत्ति के परिवर्तन के साथ-साथ साहित्य के स्वरूप में भी परिवर्तन होता चला जाता है। आदि से अन्त तक इन्ही चित्तवृत्तियों की परम्परा को परखते हुए साहित्य परम्परा के साथ इनका सामंजस्य दिखाना ही 'साहित्य का इतिहास' कहलाता है।
- हिन्दी साहित्य के 900 वर्षों के इतिहास को चार कालों में विभक्त कर सकते हैं:-

1. आदिकाल - (वीरगाथाकाल) सम्वत् 1050- 1375
2. पूर्वमध्यकाल- (भक्तिकाल) सम्वत् 1375- 1700
3. उत्तर मध्यकाल- (रीतिकाल) सम्वत् 1700-1900
4. आधुनिक काल- (गद्यकाल) सम्वत् 1900-1984

01. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने आदिकाल को क्या नाम दिया है ?
(अ)वीरगाथा काल (ब)सामंत काल
(स)प्रारम्भिक काल (द)संक्रमण काल (अ)

⇨ उत्तर- वीरगाथा काल

02. आचार्य शुक्लानुसार 'वीरगाथा' काल के भीतर कितने प्रकार की रचनाएँ उपलब्ध होती है ?
(अ)अपभ्रंश की (ब)देशभाषा की
(स)अ व ब दोनों (द)कोई नहीं (स)

⇨ उत्तर- अपभ्रंश की और देशभाषा की

03. आचार्य शुक्ल ने जैन धर्म ग्रन्थों की पुस्तकों का उल्लेख किसलिए किया है ?
(अ)उनमें निहित साहित्यिक गुणों के लिए।
(ब)अपभ्रंश भाषा का व्यवहार कब से हो रहा है यह दिखाने के लिए।
(स)जैन साहित्य का हिन्दी साहित्य को योगदान दर्शाने के लिए।
(द)उपर्युक्त सभी (ब)

⇨ उत्तर- अपभ्रंश भाषा का व्यवहार कब से हो रहा हैयह दिखाने के लिए।

04. आचार्य शुक्ल ने आदिकाल को वीरगाथा काल नाम देने के लिए कितनी रचनाओं का उल्लेख किया?
(अ)सात (ब)चार
(स)दस (द)बारह (द)

⇨ उत्तर- बारह

विशेष:-

01. विजयपाल रासो	- नल्ल सिंह भट्ट
02. हम्मीर रासो	- शारंगधर
03. कीर्तिलता	- विद्यापति
04. कीर्तिपताका	- विद्यापति
05. खुमाण रासो	- दलपति विजय
06. बीसलदेव रासो	- नरपति नाल्ह

SUNKUL मार्गदर्शन

07. पृथ्वीराज रासो – चंदरबरदाई
08. जयचन्द्र प्रकाश – भट्टकेदार
09. जयमयंक जस चन्द्रिका – मधुकर कवि
10. परमाल रासो – जगनिक
11. अमीर खुसरो की पहेलियाँ – अमीर खुसरो
12. विद्यापति की पदावली – विद्यापति

1 से 4 सभी साहित्यिक पुस्तके
5 से 12 देश भाषा काव्य की पुस्तकें

– बीसलदेव रासो, विद्यापति पदावली व अमीर खुसरो की पहेलियाँ को छोड़कर शेष सभी रचनाएँ वीरगाथात्मक है।

05. आचार्य शुक्लानुसार अपभ्रंश की रचना नहीं है ?
(अ)विजयपाल रासो (ब)हम्मीर रासो
(स)कीर्तिलता (द)विद्यापति पदावली (द)

⇨ उत्तर-विद्यापति पदावली

06. 'भक्तनामावली' के रचनाकार है ?
(अ)ध्रुवदास (ब)शिवसिंह सेंगर
(स)नाभादास (द)गोकुलनाथ (अ)

⇨ उत्तर- ध्रुवदास

07. किसका प्रकाशन बंगाल की एशियाटिक सोसायटी ने अपनी पत्रिका के विशेषांक के रूप में किया ?
(अ)इस्तवार द् ला लितेरात्यूर ऐंदुई द ऐंदुस्तानी
(ब)द मॉर्डन वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दोस्तान
(स)शिवसिंह सरोज
(द)हिन्दी साहित्य का विकास (ब)

⇨ द मॉर्डन वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दोस्तान

08. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' ग्रन्थ की 51 पृष्ठों की अति महत्त्वपूर्ण भूमिका के लेखक है ?
(अ)डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (ब)डॉ. श्यामसुन्दर दास
(स)डॉ. वेंकट शर्मा (द)डॉ. बृजेश्वर (स)

⇨ उत्तर- डॉ० वेंकट शर्मा

09. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों के लिए 'अपजीव्य ग्रन्थ' माना गया है ?
(अ)शिवसिंह सरोज
(ब)मॉर्डन वर्नाक्यूलर 'लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान'
(स)मिश्रबंधु विनोद
(द)भक्तमाल (अ)

⇨ उत्तर- शिवसिंह सरोज

10. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों के लिए 'संदर्भ ग्रन्थ' माना गया है ?
(अ)मॉर्डन वर्नाक्यूटलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान
(ब)शिव सिंह सरोज
(स)मिश्रबंधु विनोद
(द)इस्तवार द् ला लितेरात्युर ऐंदुई ए ऐंदुस्तानी (अ)

⇨ उत्तर- मॉर्डन वर्नाक्यूटलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान

11. परवर्ती इतिहास लेखकों के लिए 'आधार ग्रन्थ' माना गया है ?
(अ)शिवसिंह सरोज
(ब)मॉर्डन वर्नाक्यूलर 'लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान'
(स)मिश्रबंधु विनोद
(द)भक्तमाल (स)

⇨ उत्तर- मिश्रबुध विनोद

12. आचार्य शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का आविर्भाव माना है ?
(अ)प्राकृत से
(ब)प्राकृत की अंतिम अपभ्रंश अवस्था से
(स)अपभ्रंश से
(द)अपभ्रंश की अंतिम आधुनिक हिन्दी से (ब)

⇨ उत्तर- प्राकृत की अंतिम अपभ्रंश अवस्था से।

13. आदिकाल को किसने 'अंतर्विरोधो का साहित्य' कहा है ?
(अ)आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(ब)आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
(स)आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(द)आचार्य राहुल सांस्कृत्यायन (स)

⇨ उत्तर- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

14. असंगत क्रम छाँटिए –
(अ)चारण काल-ग्रियर्सन (ब)बीजवपन-महावीर प्रसाद द्विवेदी
(स)सिद्धसमंत काल- राहुल सास्कृत्यायन
(द)आदिकाल- हजारी प्रसाद द्विवेदी (ब)

⇨ उत्तर- बीजवपन- महावीर प्रसाद द्विवेदी

15. 'महोबा' के दो वीरों की कथा है ?
(अ)खुमान रासो (ब)बीसलब रासो
(स)जयचन्द्र प्रकाश (द)आल्हा खण्ड (द)

⇨ उत्तर- आल्हा खण्ड

16. 'अभिनव जयदेव' की उपाधि से अलंकृत मैथिलकोकिल विद्यापति को आचार्य शुक्ल ने माना है ?
(अ) शृंगारी कवि (ब)भक्त कवि
(स)गाथा कवि (द)उपर्युक्त सभी (अ)

⇨ उत्तर-शृंगारी कवि

17. 'हिन्दू पूजै देहरा, मुसलमान मसजीद।
नामा सोई सेबिया, जहँ देहरा न मसीद।।''
उपर्युक्त पद्य किस भक्त कवि का है ?
(अ)रैदास (ब)नानक
(स)नामदेव (द)कबीर (स)

⇨ उत्तर- नामदेव

18. अपनी उपासना पद्धति में वैकुंण्ठावासी विष्णु अथवा नारायण के स्थान पर मर्यादापुरुषोत्तम अवतार श्रीराम को अपना इष्टदेव मानने वाले है ?
(अ)रामानंद (ब)कबीर
(स)रामानुजाचार्य (द)नामदेव (अ)

⇨ उत्तर- रामानंद

विशेष:-

– रामानंद ने अपनी उपासना पद्धति में वैकुंठवासी विष्णु अथवा नारायण के स्थान पर मर्यादा पुरुषोत्तम अवतार श्रीराम को

SUNKI मार्गदर्शी

अपना इष्टदेव कल्पित कर उनकी सगुणस्वरूपिणी रामभक्ति के लिए मूल मंत्र 'राम-नाम' बनाया।

- रामानुज सम्प्रदाय में तो केवल द्विजातियों को ही भक्ति की दीक्षा दी जाती थी किन्तु रामानंद ने मानवमात्र के लिए भक्तिमार्ग के द्वार खेलकर एक ऐसे देशव्यापी भक्ति आंदोलन को संगठित किया जो 'वैरागी संगठन' के नाम से आज भी अयोध्या और चित्रकूट में है।

19. 'वैष्णवमताब्जभास्कर' व श्रीरामार्चन पद्धति' के रचनाकार है?

(अ)रामानुजाचार्य (ब)रामानंद
(स)नामदेव (द)शंकराचार्य (ब)

⇨ उत्तर- रामानंद

विशेषः-

- दोनों ग्रंथ संस्कृत भाषा में है।

20. किस महान कृष्ण भक्त के संगीत का रसास्वादन करने के लिए मुगल बादशाह अकबर भी तानसेन को लेकर साधुवेश धारण कर पहुँचा था ?

(अ)स्वामी हित हरिवंश (ब)नंददास
(स)स्वामी गोविन्द दास (द)स्वामी हरिदास (द)

⇨ उत्तर- स्वामी हरिदास

SUNKUL
मार्गदर्शन